amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20-00 संख्या 8
नागराज और
बुगाकू
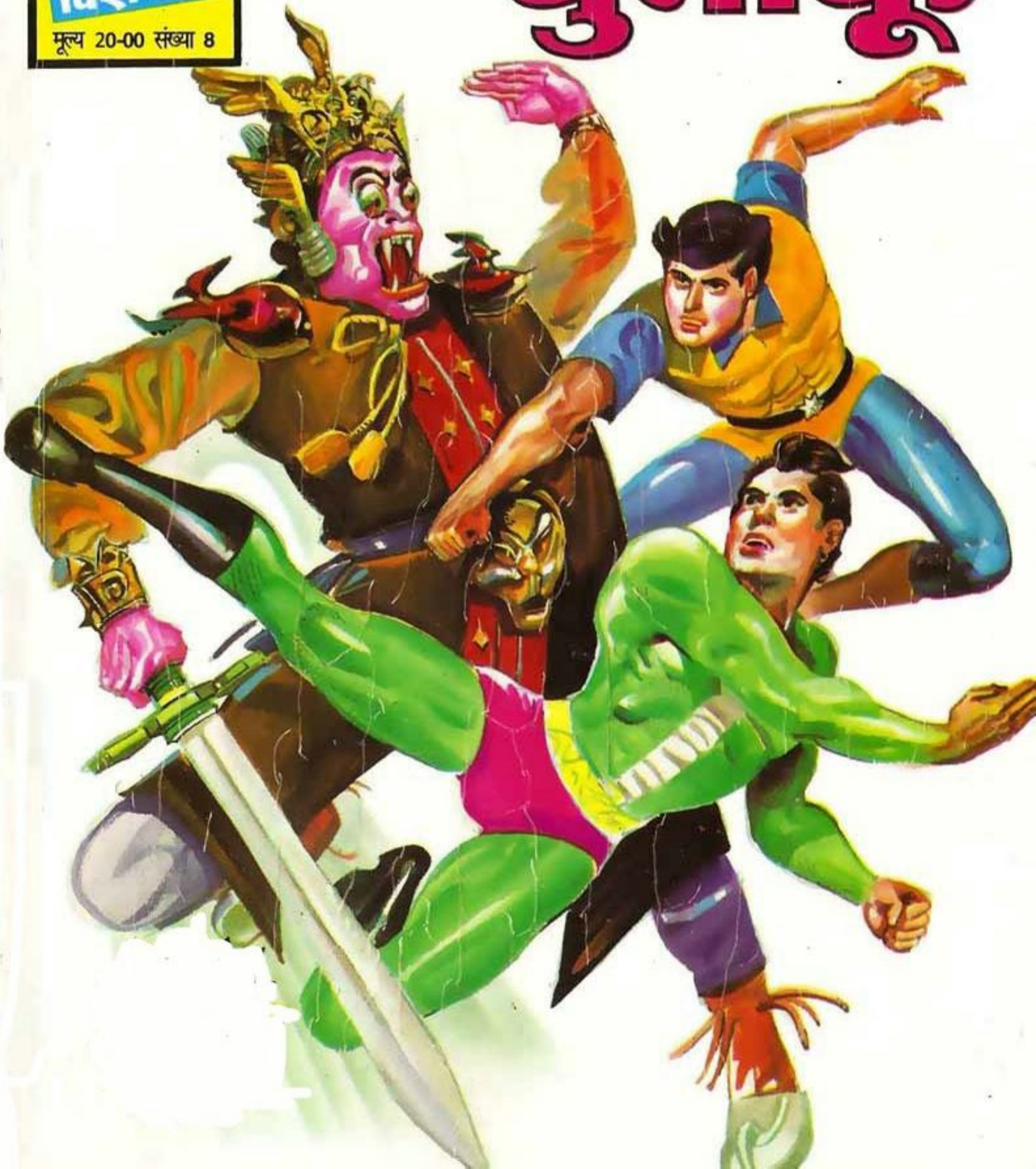
नागराज और बुगाकू

सुपर कमांडो ध्रुव

लेखक : संजय गुप्ता, चित्रांकन : प्रताप मुलीक
संपादन : मनीष चन्द्र गुप्त

अफ्रीका के जंगल में यह सपेरा कोई बड़ा यज्ञ कर रहा है।

मुझे नागलोक का राजा वासुकि चाहिए।

सपेरे ने डाली यज्ञ की अग्नि में आहुति।

किसी बहुत बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वह वासुकि को प्रसन्न करने में लगा हुआ था।

किन्तु उसके मंत्र व आहुतियां कुछ काम ना आ रहे थे।
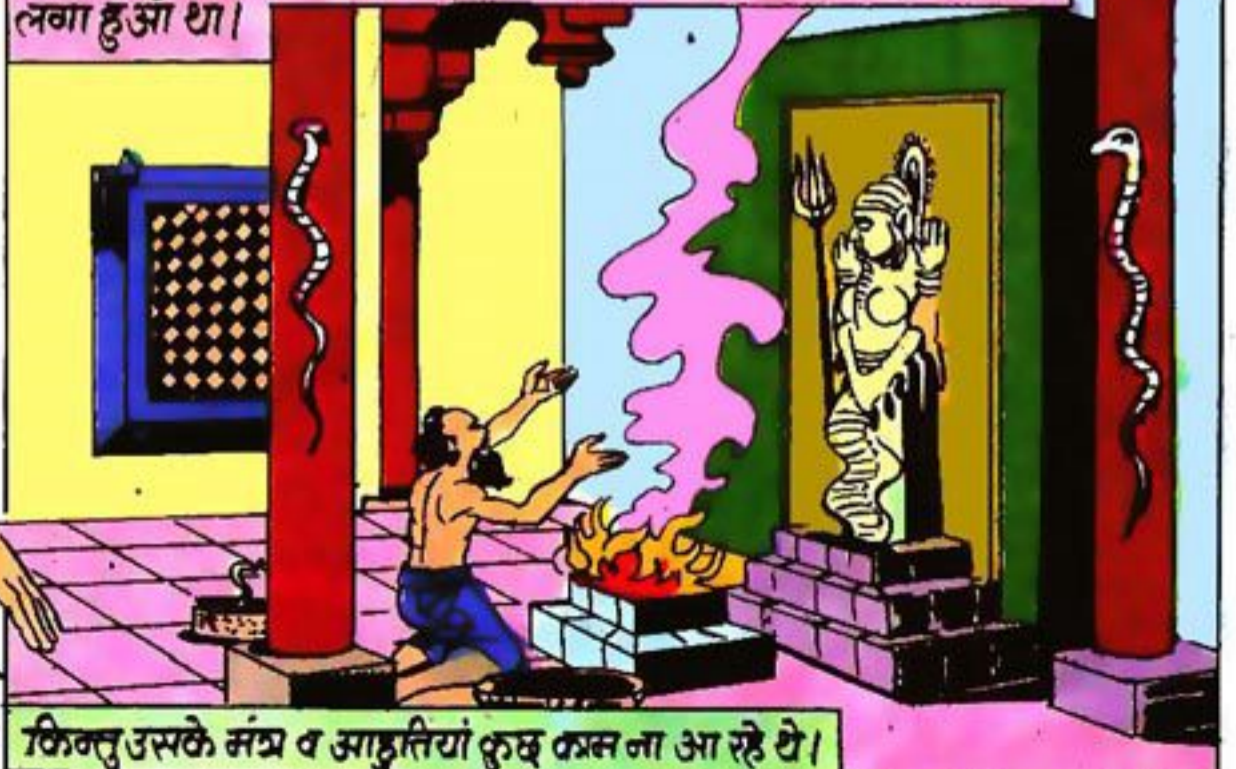
यह देख उत्तेजित हो उठा सपेरा।
हे नागसम्राट! अब मैं अपनी जीभ अग्नि के हवाले कर रहा हूं।
और —
अगले ही पल —
कटी हुई जीभ हवन कुण्ड की अग्नि की ओर लपकी।
किन्तु सपेरे की जीभ वह लप-लपाती हुई अग्नि छू भी ना पाई।
तब प्रकट हुए वासुकि।
वासुकि की कृपा से सपेरे की जीभ वापस जुड़ गई थी।
भगवन! मुझे शक्ति खड्ग प्रदान कर कृतार्थ करें।
शक्ति खड्ग तो समस्त नाग जाति की अमानत है। वह मैं तुम्हें नहीं दे सकता सपेरे•••
कुछ और मांग लो!
तो प्रभु! मेरी बीन में वह ताकत भर दीजिए कि वह किसी भी सर्प को वश में कर सके।
वासुकि के मुंह से त
निकला —
तथास्तु!
और शक्ति किरण उसके हाथ से निकलकर उस अद्भुत सी बीन में समा गई।
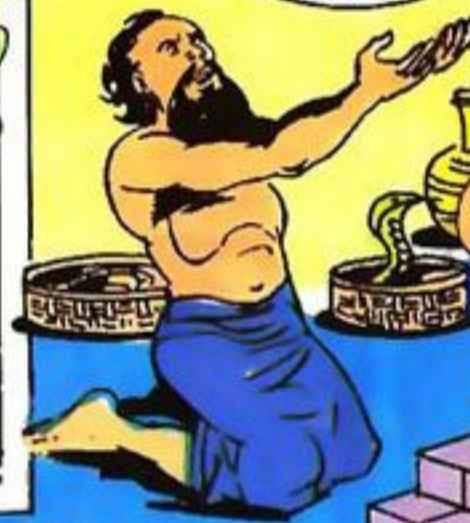
सपेरे ने बीन उठाई और उसे बजाने लगा।
पींईई
क्या? क्या कर रहे हो यह तुम?
बीन की मस्त धुन ने वासुकि को थिरकने पर मजबूर कर दिया।
रुक जाओ सपेरे, यह ज्यादती है।
वासुकि अपनी ही दी हुई शक्ति में बंध गए।
पींई
सपेरा भी झूमझूम कर वह अद्भुत बीन बजाने लगा।
इस धृष्टता की तुम्हें भयंकर सजा मिलेगी।
पींईई
तब जबकि वासुकि पूरी तरह बीन के स्वरों में बंध गए।
पकड़ में आ गए वासुकि!
सपेरे ने झट उसे पिटारे में कैद कर लिया।
हा हा हा अब नागों को मेरी इच्छा पूरी करनी ही पड़ेगी।
नागलोक में हंगामा मच गया जब यह खबर पहुंची, कि—
नाग सम्राट कैद हो गए।
वासुकि बंदी!
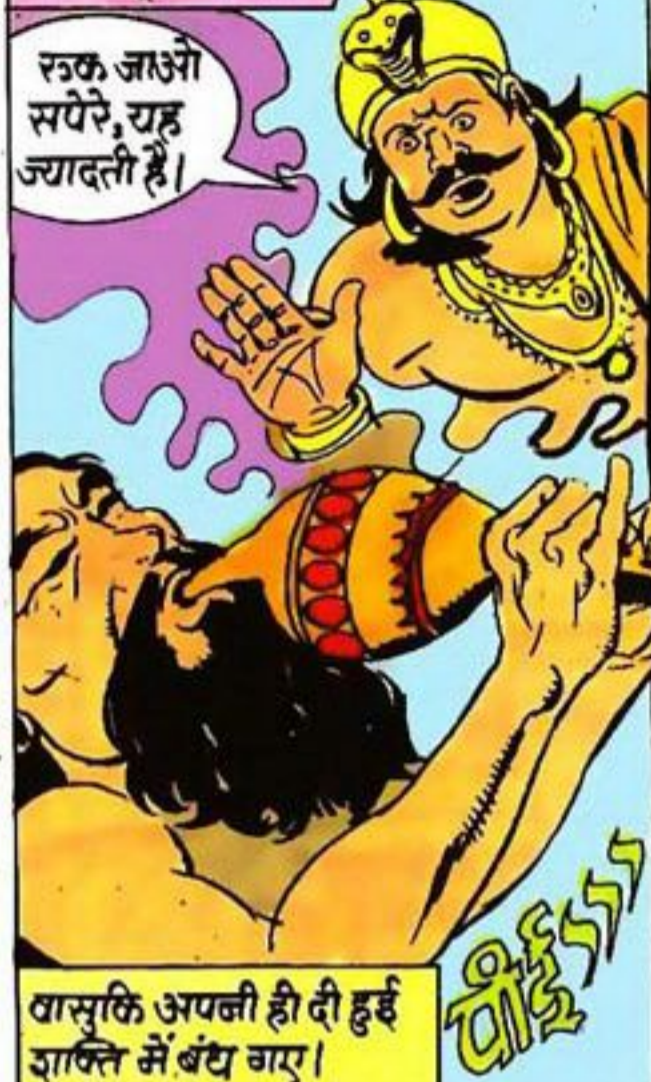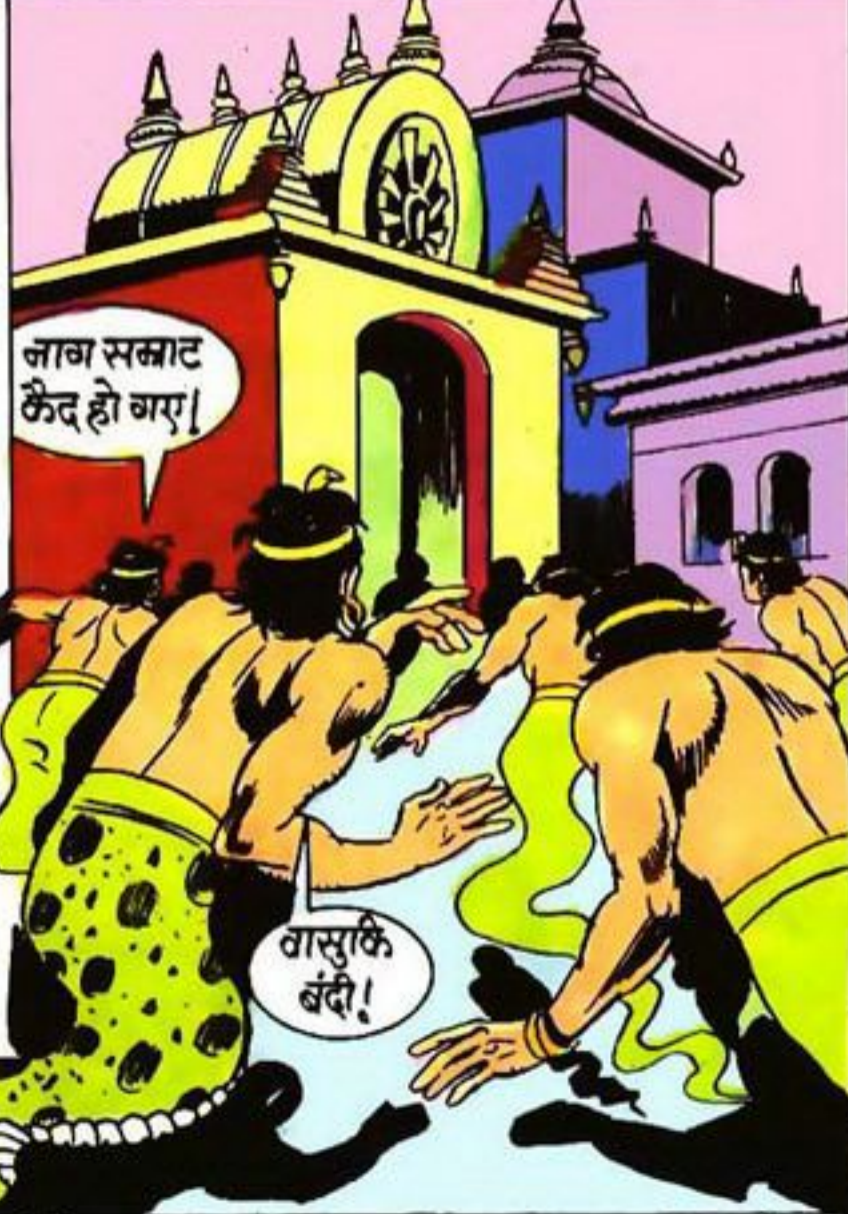
कामयाबी हासिल कर सपेरा वहां से निकल गया।

फिर विश्व के बलशाली मानव - अफ्रीका के जंगलों के बेताज बादशाह सम्राट थोडांगा को सपेरे ने वह खड्ग सौंप दिया –

लीजिए महान थोडांगा! मैं नागलोक से शक्तिखड्ग लाने में कामयाब हुआ।

शाबास! यह शक्तिखड्ग नागराज को कत्ल करने में जरूर सफल होगी। सपेरे, अब हम तुम्हें मालामाल कर देंगे।

सम्राट थोडांगा शक्तिखड्ग लेकर पहुंचा मिस किलर के पास जो इन दिनों तंजानिया के जंगलों में सम्राट थोडांगा की मेहमान बनी हुई थी।

और मिस किलर के कन्ट्रोल लीवर खींचते ही खाली केबिन में जैसे तूफान उठ खड़ा हुआ –
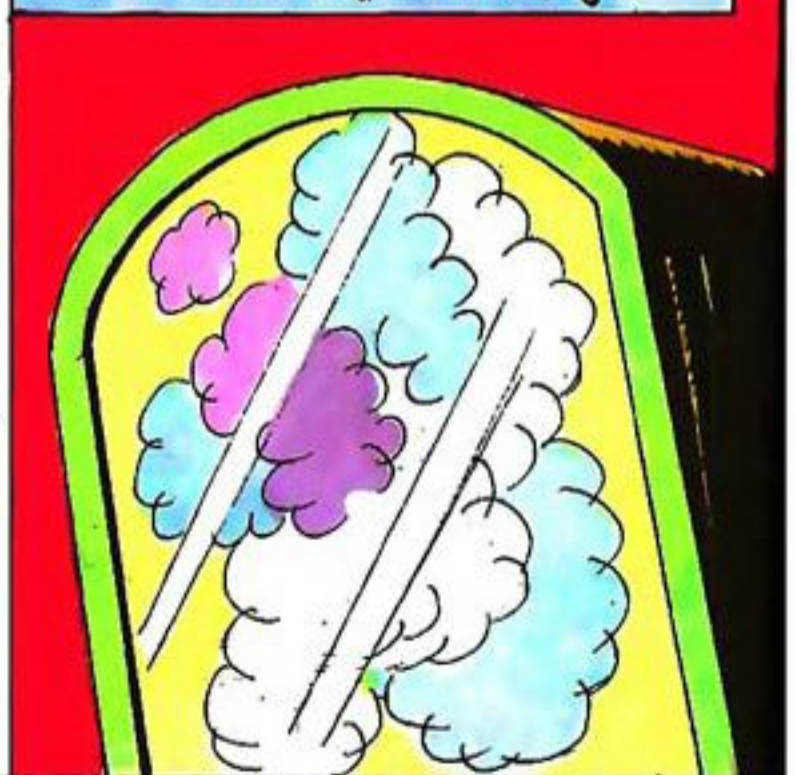
अगले ही पल उसमें नजर आई वह रहस्यमयी आकृति जिसे आने वाले दिनों में एक नया तूफान खड़ा करना था –

प्रसन्नता से चीख पड़ी मिस किलर –

मैं कामयाब हो गई थोडांगा, हा हा हा! वह देखो, जंगली किस तरह जापान की सर्वश्रेष्ठ नृत्य कला के पात्र बुगाकू में परिवर्तित हो गया।

तो यह हमारे किस काम आएगा। क्या हमें नाच दिखाएगा?

ओह! नहीं सम्राट थोडांगा! अब मैं इस मशीन के द्वारा इसमें जापान की गुप्त मार्शल आर्ट्स विद्या के सभी दांव-पेच व पैंतरे भरूंगी। और तब यह हमारे मिशन को सफल बनाएगा।

किन्तु यह काम तो हमारा कोई साधारण जंगली भी कर सकता है। फिर यह बुगाकू ही क्यों?

क्योंकि बुगाकू में होगी। जापान की उस सर्वश्रेष्ठ कला की हर बारीकी और जो फुर्ती इस में होगी वह तुम्हारे किसी जंगली में नहीं होगी।

मिस किलर फिर मशीन पर झुक गई –

...पहले मैं इसमें जूडो-कराटे की शक्तियां भर लूं, फिर तुम्हें इसका कमाल दिखाती हूं।

हमारे दोनों ही प्रतिद्वन्द्वी मार्शल आर्ट्स के माहिर हैं इसलिए उनका मुकाबला करने के लिए यह जरूरी है।

मिस किलर ने खटाखट कई बटन दबा दिए।

बुगाकू के बदन में जैसे हजारों वाट की बिजली समा गई हो –

और अगले ही क्षण वह केबिन का बुलैटप्रूफ मजबूत शीशा एक ही किक में तोड़ केबिन से बाहर आ गया—

मिस किन्नर को बुगाकू का प्रणाम।

सम्राट थोडांगा! अब यह तैयार है। अपने सभी शक्तिशाली जंगलियों से लड़वा कर आप इसकी योग्यता परख सकते हैं।

हां, यह जरूरी है। किन्तु मैं खुद भी परखूंगा इसे।

इऽ याऽऽ

अगले ही पल सम्राट थोडांगा और बीसियों जंगली दौड़ पड़े बुगाकू की ओर—
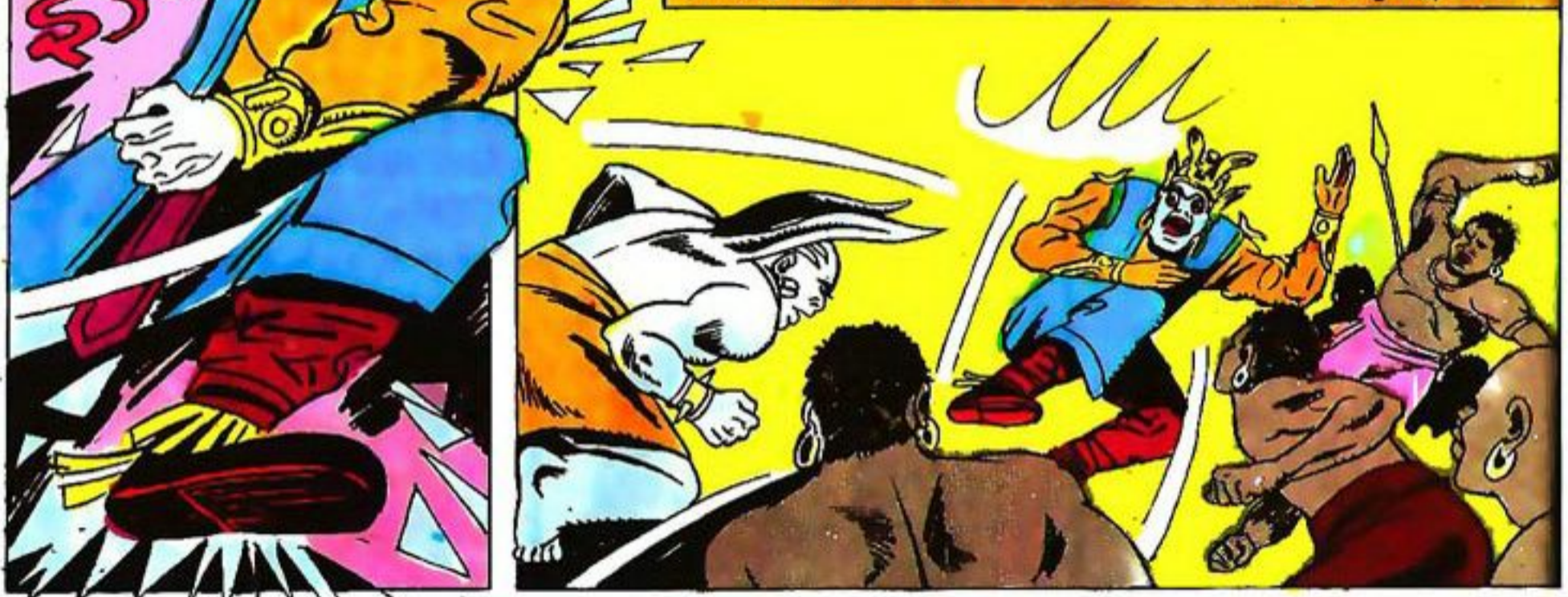
फुर्ती से झपटा बुगाकू अपनी ओर आते थोडांगा पर और अपनी शक्तिशाली किक का स्वाद चखा दिया सम्राट थोडांगा को उसने—

चीख निकल गई महाबलशाली जंगल सम्राट थोडांगा के मुंह से—

* सम्राट थोडांगा की कमर पर उगा कछुए की पीठ की तरह का मजबूत कवच 'नागराज और थोडांगा' में नागराज से हुई जंग के दौरान टूट गया था जो कि अभी पूरी तरह से दोबारा नहीं उग पाया था।

सम्राट थोडांगा के खिसते ही बुगाकू टूट पड़ा बाकी के प्रतिद्वंद्वियों पर —

किया ऽऽ

बुगाकू जूडो कराटे का सुन्दर प्रदर्शन कर रहा था। बिजली की फुर्ती से नाचता उसका बदन जंगलियों के बीच कहर बरसा रहा था —

आह ऽऽ

उफ! हमें तो मौका मिल ही नहीं पाया।

हर किसी को लग रहा था जैसे वह उसी से लड़ रहा है।

खड़ाक

कुछ ही पलों बाद —

मिस किलर! आज्ञा दें अब मुझे क्या करना है?

क्यों थोडांगा! क्या विचार है तुम्हारा। यह है किसी काबिल?

● विसर्पी के बारे में जानने के लिए पढ़ें: 'प्रलयंकारी मणि' और 'शिकार शहंशाह'

* शूलकंट के विषय में जानने के लिए पढ़ें - 'नागराज और कालदूत'

...उसके हाथों को नागरस्सी ने जकड़ लिया।
नागरस्सी यानि नागराज!
दानव के हाथों को लगा एक झटका—
नाग सम्राट नागराज तुम!
नागराज टूट पड़ा दानव पर—
ओह! पानी के अन्दर मेरे ताकतवर वार भी इस पर प्रभावहीन हैं
दानव ने नागराज को पकड़ा और--
अपने विशाल मुंह में डाल लिया—
उफ!
नागराज जा पड़ा दानव के पेट में—
यह क्या हुआ रे नागराज! यहां तो तू सांस भी नहीं ले पा रहा है।
तभी नागराज की नजर पड़ी एक और शरीर पर—
हाए! यह कौन है? क्या जीवित है यह?

शीघ्र ही नागराज का दम घुटने लगा।
सर्पदंश ही अब मुझे इस विपत्ति से निकाल सकता है।
बाहर दानव का आतंक जारी था।
वह फिर विसर्पी की तरफ बढ़ा—
नागराज को तो तू निगल ही चुका दानव, अब मुझे भी निगल ले।
किन्तु तभी दानव को लगा एक भयानक झटका—
अगले ही क्षण। दानव भयंकर चीत्कार कर उठा।
उफ! यह क्या हुआ?
समुद्र के पानी में भयंकर हलचल मच गई।

देखते ही देखते दानव का विशाल शरीर गलने लगा।

घोर आश्चर्य, दानव का शरीर पिघल रहा है।

यह तो नागराज के विष का कमाल है।

दूसरे पल —

नागराज!

नागराज!

अरे! वह विषाक्त को उठाए ला रहा है।

क्या विषाक्त जिन्दा है?

'सन्न रह गया पल भर को झलकट—'

'फिर वह चीखता हुआ उन जीपों की ओर दौड़ा।'
रुक जाओ कमीनो, कुमारी विस्पी को छोड़ दो।
'महाबली विषाक्त जो यह सब देख रहा था, तेजी से हरकत में आया।'
मुझे इन्हें, इन इंसानी दरिन्दों से बचाना होगा।

'और एक के पीछे एक-दो धमाके गूंजे तब जब कि—'
आउच
पंगा दादा से पंगा! नहीं बचेगा! अब ये नहीं बचेगा।

'दो बदमाश जीपों से उतरे।'
क्यों बे, दादा की गाड़ियां तोड़ीं तू ने।
हम तेरे हाथ तोड़ेंगे।
'विषाक्त ने मुस्कराते हुए अपने हाथ आगे कर दिए।'
लो तोड़ो!

'हॉकियां हरकत में आईं—'

'विषाक्त के हाथ हिले।'
'साथियों की यह गत देखकर पंगा दादा और सभी गुंडे जीपों से कूदे।'
KILL'EM
'भयंकर जंग छिड़ गई समुद्र तट पर —'
विषाक्त के लिए तुम मच्छरों से ज्यादा नहीं हो।
सूलंकट भी इस जंग में शामिल हो गया।'
कुमारी विसर्पी को छूकर तुमने अपनी मौत बुला ली है।
'महाबली विषाक्त के बाहुबल ने पंगा दादा...'
'...और उसके साथियों को...'
'...दिन में तारे दिखा दिए।'
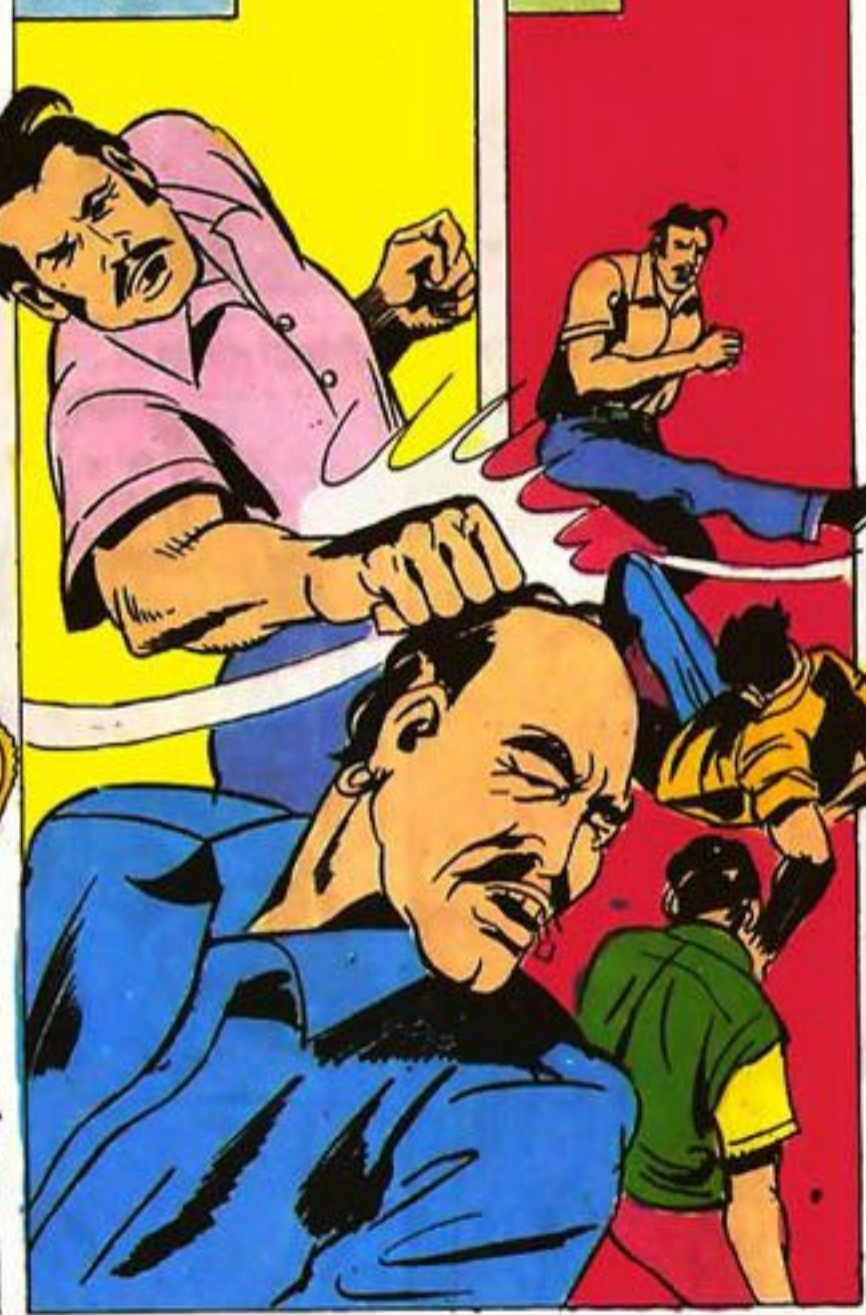
कुछ ही देर बाद –
पंगा दादा! अब के बाद तू किसी से पंगा नहीं ले सकेगा! तेरे हाथ तोड़ दूंगा मैं।
नहीं, मुझे माफ कर दो उस्ताद! माफ कर दो रे।
पंगा दादा उस्ताद मान गया विषाक्त को।
किन्तु तभी वहां बिजली सी कौंधी –
उफ!
वहां प्रकट हुई एक अद्‌भुत आकृति।
बुगाकू तुम्हारी मदद को आया है पंगा दादा! डरने की जरूरत नहीं है अब तुम्हें।
विषाक्त ने बुगाकू पर छलांग लगा दी।
चलो पहले हिमायती को ही खत्म कर दें।
छलावे की तरह बुगाकू अपनी जगह से हिला।
उफ! इसमें तो बिजली की सी फुर्ती है।

'विषाक्त उछला —'
मेरे लिए यह बचकानी लड़ाई है। जापान की कुंगफू फाइटिंग कला में विश्व भर में मुझसे कोई नहीं जीत सकता।
'बुगाकू की पैनी दृष्टि उसकी हर हरकत परख रही थी।'
'बुगाकू ने उसकी हवा में लहराती टांगें पकड़ीं और —'
इसकी युद्धकला तो अच्छी है ही यह महा-बलशाली भी है।
'उछाल फेंका बुगाकू ने विषाक्त को।'
हा हा हा क्या बुरी गत बनाई है बुगाकू ने इस पहलवान की।
'विषाक्त संभला और —'
आओ मित्र, इससे हम नहीं जीत पाएंगे। रूप बदलकर निकल चलो।
'शीघ्र ही तीनों नाग बन गए।'
भागो समुद्र की तरफ।
ये क्या ये सांप कैसे बन गए?
'किन्तु पंगा दादा को अपने सवाल का जवाब ना मिल पाया।'
'कुछ ही पलों में वे अथाह समुद्र में विलीन हो गए।'
भाग गए कायर।
उनमें से दो की मुझे जरूरत थी पंगा दादा! और इसी लिए मैं तेरी मदद को आया था।
खैर देर-सबेर नागराज को जरूर तेरे इस कार्य का पता चलेगा और फिर वह तेरे पीछे पड़ जायेगा और तब तक मैं तेरे साथ हूं।

दो दिन ये नागलोक में हमारे मेहमान रहे। किन्तु आज जब हम इन्हें विदा करने नागलोक से बाहर पहुंचे, उस भयानक समुद्री दानव ने हमारा रास्ता रोक लिया।
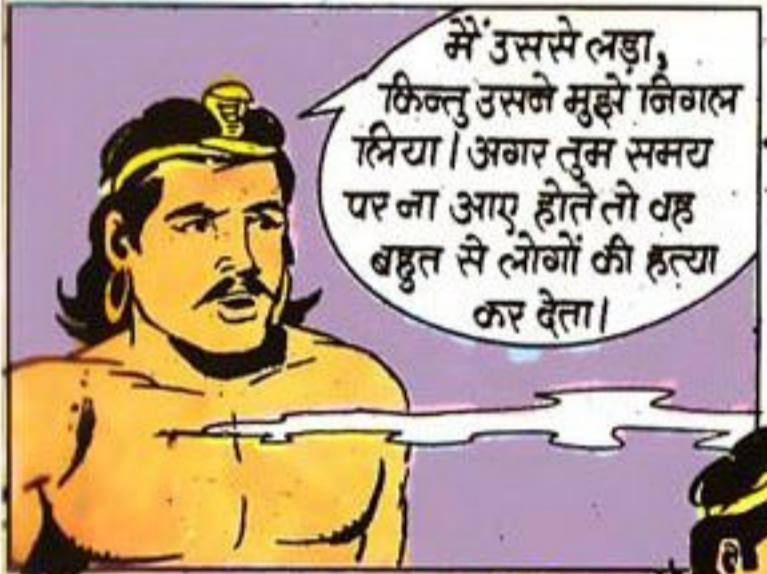
मैं उससे लड़ा, किन्तु उसने मुझे निगल लिया। अगर तुम समय पर ना आए होते तो वह बहुत से लोगों की हत्या कर देता।
फिर कुछ देर बाद समुद्र तट पर नागलोक वासियों ने दी नागराज, विसर्पी और शूलकंट को एक भावभीनी विदाई—
लो नागराज, यह नागलोक की तरफ से तुम्हारी वीरता, शौर्य व मित्रता का प्रमाण चिन्ह।
धन्यवाद विषाक्त! विसर्पी की रक्षा कर नागराज को तुमने अपना ऋणी बना लिया है।
NAGRAJ

विसर्पी को होस्टल पहुंचा कर नागराज चल पड़ा पंगा दादा और बुगाकू की खोज में।
विसर्पी पर हमला करने वालों को बख्शूंगा नहीं मैं।

बम्बई के होटलों, क्लबों व रेस्तरांओं में—
पंगा दादा जैसी मशहूर हस्ती को खोज रहे हो! धारावी का मालिक है वो।
धारावी

पंगा दादा कसाई था पूरा।

आऽऽऽ

आह्ऽऽऽ

हैवानियत भरा काम करके वह पलटा —

विक्टर! इनके जख्म भर जाएं तो इन्हें भीख मांगने बिठा देना। विकलांगों को भीख अच्छी मिलती है, हा हा हा।

ठीक है दादा!

तभी एक मवाली ने वहां प्रवेश किया।

पंगा दादा! पंगा दादा! विश्व आतंकवाद का दुश्मन महाबली नागराज आप को ढूंढता फिर रहा है।

रूह फना हो गई पंगा दादा की नागराज का नाम सुनकर!

क्या नागराज मम००० मुझे ढूंढ रहा है? बड़े-बड़े अपराधियों का संहारक मुझ छोटे से गुण्डे को पूछ रहा है?

ऐसा ही होता है अपराध जगत में नागराज का नाम सुनकर —

मुझे तो कहीं छुप जाना चाहिए। UNDER GROUND हो जाना चाहिए!

कांप उठा था वह।

लेकिन तभी एक जोरदार आवाज गूंजी वहां—

कहीं नहीं छुपोगे तुम! बुगाकू के रहते तुम्हें डरने की जरूरत नहीं है।

बुगाकू!

पंगा दादा बुगाकू के चरणों में गिर पड़ा—

मुझे बचालो! बचाले रे अपने बच्चे को बुगाकू! नागराज मुझे मार डालेगा।

नागराज के लिए ही मैं यहां आया हूं पंगा दादा!...

...और उसको अपने साथ लेकर ही जाऊंगा मैं।

तभी नागराज ने वहां प्रवेश किया—

नागराज आ गया बुगाकू! बोलो कहां ले चलोगे मुझे?

पर पहले इस कसाई को मौत के घाट उतारूंगा मैं।

बुगाकू ने नागराज पर कराटे का एक जबरदस्त वार किया—

आह!

पंगा दादा तक तेरे कदम नहीं बढ़ने दूंगा मैं।

बुगाकू की शक्ति का अहसास हुआ नागराज को—

जोकर समझकर लड़ रहा था मैं तो इससे। यह तो कुंग फू का मास्टर है।

बुगाकू टूट पड़ा नागराज पर --

कितना सुन्दर प्रदर्शन है!

बेहतरीन जापानी कराटे है यह।

उसके वार बिजली की तेजी से पड़ रहे थे।

धड़

धड़ धड़

उतनी ही तेजी से वह वापिस आया –
बुगाकू के सीने से भयंकर गति से टकराई नागराज की किक –
नागराज फुर्ती से पलटा पंगा दादा की ओर –
पंगा दादा! अब तेरी मौत रोकने वाला जल्दी नहीं उठ पाएगा।
नागराज के अगले वार ने पंगा दादा की कनपटियों को रौंद दिया –
पंगा दादा, कसाई! तुझे अभी तड़पा-तड़पा कर मारूंगा नीच! गरीब बच्चों की जिन्दगी तबाह करता है तू।
कड़ ड़ाक
नागराज ने उठाली वह कुल्हाड़ी जिस से पंगा दादा बच्चों के हाथ-पैर काटता था--
बच्चों को अपाहिज बनाकर उनसे भीख मंगवाता है तू! अब तेरी ही कुल्हाड़ी से तुझे काट डालूंगा मैं!
किन्तु पंगादादा को कुछ सुनाई नहीं दे रहा था बहरा हो चुका था वह। उसे तो सिर्फ दिख रहा था मौत की तरह अपनी तरफ बढ़ता नागराज –
और धरती से एक और पापी का खात्मा हुआ।

किन्तु तभी नागराज के शरीर में पैवस्त हो गई शक्ति खड्ग —
बस, बहुत हाथ दिखा चुका यह। अब इसे ले जाने का समय आ गया।
नागराज के शरीर में एक तूफान उठने लगा —
पीठ पर वार!
बुगाकू मैं तुझे आ... छोड़ूंगा नहीं!
च च च च बेहोश हो गया बेचारा।
मिस किलर कितनी खुश होगी इसे देखकर। हा हा हा हा।

जुबिस्को व ध्रुव की शानदार टक्कर जानने के लिए पढ़ें-'प्रतिशोध की ज्वाला' और 'बहरी मौत'

विश्व के सबसे ताकतवर आदमी के नाम से मशहूर ग्लोब सर्कस के कलाकार जुबिस्को ने ध्रुव को घूंसों का स्वाद चखाया—
कहीं ना कहीं कोई गड़बड़ जरूर है। उफ!
धाड़
ताकत में निसंदेह वह ध्रुव से ज्यादा शक्तिवान था।
लेकिन अभी तो इस से निबटना ही मुश्किल हो रहा है।
कड़ाक
ध्रुव ने कनस्तर उठा लिया—
अब यही मुझे जुबिस्को से बचाएगा।
आह
फिर ध्रुव ने खाई एक कलाबाजी—
इस किक में बड़ी ताकत है पहलवान!
पल भर में जुबिस्को का शक्तिशाली शरीर आग की लपेट में आ गया।
उफ! अगर यह खत्म हो गया तो मुझे इसके बारे में जानकारी कैसे मिलेगी?
किन्तु—

* ध्रुव की एक बेहतरीन कॉमिक्स 'रोमन हत्यारा' जरूर पढ़ें।

इसकी ताकत इसके टोप में है! मुझे किसी तरह इसका टोप उतारना होगा उफ! आ...
धाड़
अगले ही पल..
..एक टोप ध्रुव के हाथ में था —
इसकी ताकत तो मेरे हाथ में है! फिर यह हंस क्यों रहा है? हाएं, यह क्या?
एक टोप अभी भी रोमन हत्यारे के सिर पर सजा हुआ था —
यह क्या अजूबा है?
मेरे सिर के टोप उतार-उतार कर यह कमरा भर जाएगा, लेकिन एक टोप फिर भी मेरे सिर पर दिखता रहेगा तुम्हें!
SULFURIC ACID
एक बार फिर रोमन हत्यारे की तलवार ध्रुव की गर्दन से सटी हुई थी —
किसी भी क्षण यह तलवार मेरी गर्दन चीर देगी अगर...
अब तेरा किस्सा खत्म समझ!
कई काम एक साथ हुए —
थैंक्यू रेणु!
और रोमन हत्यारे का शरीर खतरनाक अम्ल यानी सल्फ्यूरिक एसिड से नहा गया —
कमरे में गूंज उठीं उसकी भयानक चीखें!

उसके साथ ही बिजली सी कौंधी और—
गायब हो गया रोमन हत्यारा भी।
पीटर, रेणु व करीम तीनों ने घेर लिया ध्रुव को—
कैप्टन! क्या बला थी? यह कौन था?
षड्यंत्र। कोई गहरा षड्यंत्र रचा जा रहा है, किन्तु अभी मुझे कुछ नहीं पता।
फिर ध्रुव ने उन्हें जुबिस्को वाली घटना से भी अवगत कराया—
हैडक्वार्टर छोड़ चारों निकल पड़े राजनगर एरोड्रम की तरफ—
कैप्टन! पैराट्रूपिंग में मजा आ जाएगा।
हां, किन्तु बहुत सावधानी से सीखना होगा यह तुम्हें।
420
यस, कैप्टन! हम रेडी हैं।
हवा में— हजार फुट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद—
सभी ने अच्छी तरह पैराशूट कस लिए हैं? कुछ पलों के बाद ही हमें डाइव करना है।
किन्तु वह कुछ पल जब बहुत लम्बे खिंच गए—
क्या चक्कर है? अब तक तो, पायलट को हमें डाइव के लिए बोल देना चाहिए था। मैं चैक करके आता हूं।
काकपिट में पहुंचकर ध्रुव को लगा एक झटका—
यह क्या हिमालय तक पहुंच गए हम! पायलट, यह क्या कर रहे हो तुम?
पायलट पलटा।

एक और झटका लगा ध्रुव को—
नरसिंह... तुम... यहां?
हां, मैं तुम्हारी मौत!
नरसिंह ने प्लेन ऑटोमेटिक पायलट किया!
फिर—
कैप्टन ???
धड़ाक
चारों फुर्ती से उछले—
इसके हाथ पर बंधा पट्टा खोल दो, यह साधारण आदमी रह जाएगा!
चारों उस दानवाकार शरीर से लिपट गए—
हा हा हा चूहे हाथी पर चढ़ गए!
अभी पता चलेगा बेटा कि चूहे क्या चीज हैं!
उसने अपने शरीर को एक हल्की सी जुम्बिश दी—
हाय! इस पर तो कोई असर नहीं हुआ!
हां, बच्चे! क्योंकि मैं हूं असली नरसिंह! हा हा हा
ध्रुव का दिमाग चीखा—
इसकी आंखों का निशाना लेकर गोली चलाओ!
धांय
धांय
बुलेट्स अपने लक्ष्य की ओर लपकीं!
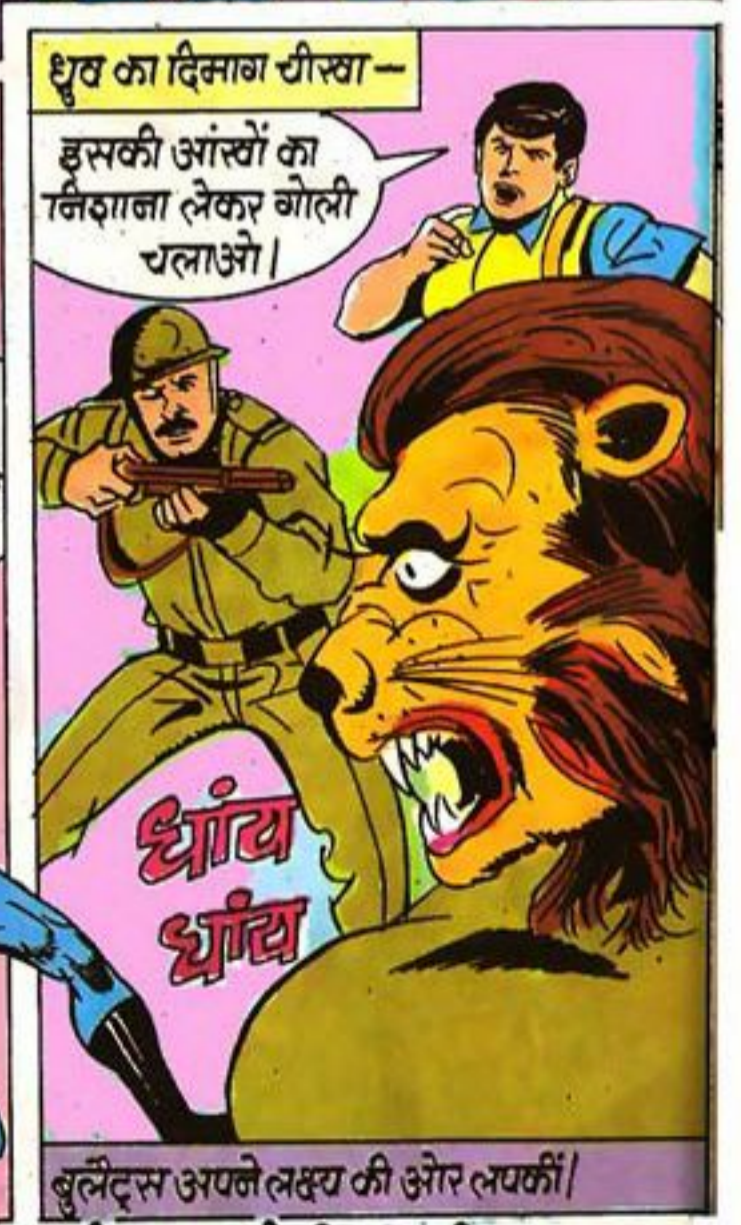
अचूक निशाना और क्रूर हंसी —

हा हा हा। शरीर तो मेरा बुलैट प्रूफ है ही। आंखों में भी बुलैट प्रूफ कंटेक्ट लेंस लगे हैं मूर्ख!

उफ! बहुत भयंकर रूप में सामने आया है यह?

नरसिंह तबाही पर उतारू हो गया।

नरसिंह तुम सबको मार डालेगा।

उस भयंकर उठा-पटक से प्लेन डगमगाने लगा।

यह प्लेन अब नहीं बचेगा।

फुर्ती से उठा ध्रुव और —

चलो, जल्दी से बाहर कूद जाओ। किसी भी क्षण यह प्लेन किसी पहाड़ी चोटी से टकरा सकता है।

कैप्टन तुम?

समय खराब ना करो कूदो।

कैप्टन का आदेश मानने पर मजबूर थी वह।

उसके कूदते ही ध्रुव ने छलांग लगा दी, लेकिन-

अब वह बिना पैराशूट के तेजी से नीचे की ओर जा रहा था।

अगले ही क्षण आसमान तीव्र धमाके की आवाज से थर्रा उठा—
धड़ाम
वह तो गया, पर मेरा क्या होगा?
ध्रुव का गिरता हुआ शरीर शीघ्र ही पीटर, करीम व रेणु के निकट पहुंचा—
आओ कैप्टन! हमारे हाथ पकड़ लो।
ध्रुव के मजबूत हाथों ने पीटर व करीम के हाथ थाम लिए—
अगर ये पैराशूट आपस में उलझ गए तो—
तो चारों साथ ही मरेंगे कैप्टन!
वे सुरक्षित उतर गए—
तीनों ने पैराशूट अपने जिस्मों से अलग किए।
कैप्टन! अब हम वापस राजनगर कैसे जाएंगे?
मुझे तो भयंकर ठंड लग रही है।
मुझे भी।
उसके लिए मेरे पास यह यंत्र है जिसे तुम तीनों बारी-बारी अपनी बेल्ट पर लगाकर इस ठण्ड से बच सकोगे।
और कैप्टन तुम?
मैं इच्छा-शक्ति से ठण्ड पर काबू रखूंगा।

किन्तु तीनों ने ही वह यंत्र लेने को इन्कार कर दिया—

नहीं कैप्टन! हम भी अपनी इच्छा शक्ति की परीक्षा लेते हैं आज।

ठीक है कमांडोज, जैसी आपकी मरजी।

...चारों तेजी से नीचे उतर रहे थे।

और उनसे भी तेज कोई ऊपर चढ़ रहा था।

यतिराज!

यतिराज को देख ध्रुव का चेहरा खिल उठा—

आओ मित्र यतिराज! आज हमें तुम्हारी जरूरत है।

किन्तु ध्रुव के मित्रता के बढ़ते हाथ को...

...थामकर यतिराज ने उसे उछाल फेंका।

यति और मानव में क्या मित्रता मूर्ख!

उफ! तो यह यतिराज भी इसी षड्यंत्र का हिस्सा है।

ध्रुव ने चला दी लात—

इसका मतलब यह असली यतिराज नहीं है।

धाड़

ध्रुव के दिमाग में गूंज उठे यतिराज के वह स्वर—

तुमको जब हमारी जरूरत हो तो हिमालय पर हम को कहीं से बुला लेना।

अपने कैप्टन की मदद को आगे बढ़ती रेणु ने यतिराज पर छलांग लगा दी—
कैप्टन को मारता है गुंडे!
और असली यतिराज को बुलाने के लिए मुझे उसे आवाज लगानी ही होगी।
यतिराज ने किसी खिलौना गुड़िया की तरह उसे लपक लिया—
यतिराज यतिराजऽऽ यतिराजऽऽ
यतिराज ने उछाल फेंका रेणु को—
रेणु के मौत की तरफ बढ़ते शरीर को थाम लिया दो विशाल हाथों ने—
क्रोधित ध्रुव ने उठा ली एक भारी हिमशिला।
वह कहीं दिखाई नहीं दे रही ध्रुव! सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरी है वो।
तुम सब भी वहीं जाओगे बच्चो!
मैं तेरा सिर तोड़ दूंगा कमीने
लेकिन बड़े आराम से बचा गया वह ध्रुव का वह वार—
हा हा हा अब होगी तेरी चट्टान और तेरा ही सिर।

किन्तु चट्टान फेंकने के लिए यतिराज का उठा हाथ उठा का उठा ही रह गया क्योंकि—
असली यतिराज! आप आ गए!
हां, ध्रुव! हिमालय में गूंजती तुम्हारी आवाज मुझ तक पहुंच गई थी।
और असली यतिराज ने नकली यतिराज को उछाल फेंका!
जाओ मरो! हमारे क्षेत्र में हमारे मेहमानों से लड़ते हो।
और ध्रुव ने देखी फिर वही चमक—
गायब!
कैप्टन!
सबके चेहरे खुशी से खिल उठे रेणु को सुरक्षित देख कर
रेणु!
मुझे यतिराज ने बचाया है ध्रुव!
फिर राजनगर आई.जी. राजन के सामने—
और फिर हम पास के भारतीय सैनिक शिविर तक पहुंच गये। जहां से हम अभी आर्मी हैलिकॉप्टर द्वारा यहां पहुंच पाए।
लेकिन यह कैसा षड्यंत्र चल रहा है तुम्हारे खिलाफ।
मैं इसकी तह तक जरूर पहुंचूंगा पापा!
भइया! आपने वादा किया था कि आज मेरे साथ नेशनल लेक में हो रही नौकायन प्रतियोगिता देखने चलेंगे।
क्यों नहीं उसमें तुम जो हिस्सा ले रही हो।

नेशनल लेक नौका यन प्रतियोगिता पूरी तेजी पर थी—
शाबास श्वेता! कम ऑन!
श्वेता ही जीतेगी।
किन्तु—
श्वेता और जीत के बीच सिर उठाया शैतान ने—
समुद्र का शैतान!
और श्वेता को दबोच वह विद्युत गति से टापू की ओर तैरने लगा—
यह क्या हो रहा है? सभी गड़े हुए मुर्दे जिन्दा हो रहे हैं!
SECURITY
श्वेता को खतरे में देख ध्रुव ने लेक में छलांग लगा दी।
और स्टीमर चल पड़ा टापू की ओर—
और तेज चलाओ कहीं वह श्वेता का कोई अहित ना कर दे।
खतरे की भयानकता का आभास श्वेता को भी था, किन्तु खुद को डरपोक दिखाने वाली श्वेता की बहादुरी का कोई मुकाबला न था—
भइया का इससे मुकाबला बहुत जोरदार रहा था। अब इससे लड़ने में मजा आ जाएगा।
तभी श्वेता के हाथों में चमकने लगा एक छुरा! अगले ही पल—
गुलाबी खून!

दर्द से तिलमिलाकर समुद्री दैत्य ने श्वेता को उछाल फेंका—
बस इतना समय काफी है।०००
०००मुझे चण्डिका बनने के लिए।
धाड़
दैत्य पलटा—
और समुद्री दैत्य की पीठ पर पड़ी चंडिका की जबरदस्त किक—
उफ! इससे टक्कर सचमुच बहुत भारी पड़ेगी।
बाप रे! इतनी जबरदस्त किक से भी यह जरा सा हिल कर रह गया!
चंडिका टकराई जमीन से और—
दलदल! ओह! माई गॉड! अब मछरों की आवाज भी आ रही है! यह०० यह दानव मुड़ क्यों रहा है?
दैत्य इसलिए मुड़ रहा था, क्योंकि उसकी मनचाही चीज नजदीक आ रही थी।०००
०००सुपर कमाण्डो ध्रुव—
चंडिका दलदल में और श्वेता?

ध्रुव चंडिका की मदद को लपका, किन्तु—
अईई
पहले इसी से निबटना पड़ेगा
मशाल संभाल फुर्ति से उठा ध्रुव—
पिछली बार भी यह आग से मरा था। यह इससे जरूर घबरा जाएगा।
लेकिन ध्रुव के आश्चर्य की कोई सीमा न रही जब—
ओह! इसके निर्माता ने इसमें से पिछली कमी दूर कर दी।
तभी ध्रुव का हाथ थामा चंडिका ने—
ध्रुव! इसको दलदल में धकेल दो
•••उछाल फेंका दैत्य को दलदल में।
धन्यवाद चंडिका!
दोनों की इकट्ठी ताकत ने•••
तुम्हारा आइडिया बहुत बढ़िया रहा वरना इस शैतान से निबटना बहुत मुश्किल था।
अब मुझे श्वेता भी तो बनना है।
और चंडिका निशब्द वहां से गायब हो गई।

साथ ही दैत्य भी—
गायब, दोनों गायब!
फिर श्वेता मिली ध्रुव को यूं—
लगता है चंडिका के बीच में आ जाने से दैत्य इस डरपोक को यहीं छोड़ गया होगा और यह हो गई बेहोश।
ड्रामा कामयाब रहा।

घर पहुंचने पर—
भइया! अब मैं कभी नदी या समुद्र के पास नहीं जाऊंगी।
हां और जल के पास भी मत जाना। हा हा हा डरपोक कहीं की।
हा हा हा

दूर इन दृश्यों का आनंद कोई और भी ले रहा था—
सम्राट थोड़ांगा! देख रहे हो। कैसे इस मशीन से मैं ध्रुव की जिन्दगी के पिछले प्रतिद्वंद्वियों को तैयार करके उन्हें ध्रुव के सामने ट्रांसमिट कर देती हूं और फिर चलता है चूहे-बिल्ली का खेल।
हा हा हा यू आर जीनियस

मिस किलर ने कंट्रोल लीवर खींचा—
पहले मैं उसे बुरी तरह छका दूंगी। फिर बुगाकू जब नागराज को यहां ले आएगा तो उसे ध्रुव को भी पकड़ने भेज दूंगी।
खाली पड़े केबिन में अब नजर आ रहे थे चार कंकाल व कापालिक—
हा हा हा अब देखना इन पांचों का ध्रुव से मुकाबला।

ध्रुव के शब्दों से नताशा के दिल को गहरी चोट लगी-
मेरे पिता ग्रेण्ड मास्टर रोबो हैं बार-बार यह कह कर मेरे दिल को ठेस पहुंचाते हो तुम! तुम्हें पता है मैं उन्हें छोड़ चुकी हूं!
I AM SORRY NATASHA!

तभी सुनसान पार्क, डरावनी चीखों से गूंज उठा —
चीं ईं उफ्फ
अरे! यह क्या? कैसी आवाजें हैं यह?
ऐसा लग रहा है जैसे एक साथ कई लोगों के गले काटे जा रहे हों।

तभी प्रकट हुईं वहां वे भयानक आकृतियां —
यह क्या है?
शायद तीन आयामी आकृतियां यानि थ्री डीमेंजीस 'रूहों का शिकंजा' वाली।
ही ही

और गूंजी वह भयानक आवाज।
ये प्रेत तुम दोनों को चीर-फाड़ डालेंगे ध्रुव!
कापालिक!

* ग्रेण्ड मास्टर रोबो व नताशा के बारे में जानने के लिए पढ़ें: ध्रुव का राज कॉमिक्स विशेषांक 'ग्रेण्ड मास्टर रोबो'

ध्रुव ने कापालिक पर छलांग लगा दी—
इसके हाथ की छड़ी छीन लेता हूं, इसी छड़ी में छिपे रिमोट कंट्रोल से चल रहे हैं यह प्रेत।
अगले ही पल छड़ी ध्रुव के हाथ में आ चुकी थी किन्तु—
हाय, इन पर तो इसका भी कोई असर नहीं हो रहा।
हा हा हा हा ये छाया नहीं हैं, मजबूत हड्डियों वाले असली प्रेत हैं।
अब ध्रुव के पास नताशा को बचाने का एक ही तरीका था—
इनसे भिड़ना पड़ेगा।
वाकई मजबूत हड्डियों वाले थे वे प्रेत—
हा हा हा। अब यह चारों तुम्हें जीवित नहीं छोड़ेंगे ध्रुव!
इसके साथ ही ध्रुव की गर्दन प्रेत के मजबूत पंजों में जकड़ गई—
उफ! इसका शिकंजा बहुत मजबूत है।
ध्रुव के मुंह से निकली एक पतली एवं तीव्र आवाज—
कैसे सांड की तरह डकार रहा है?

किन्तु उस डकार को सुन पार्क के बाहर आराम करता वह सांड तत्काल उठा —

कालिंदी कुंज
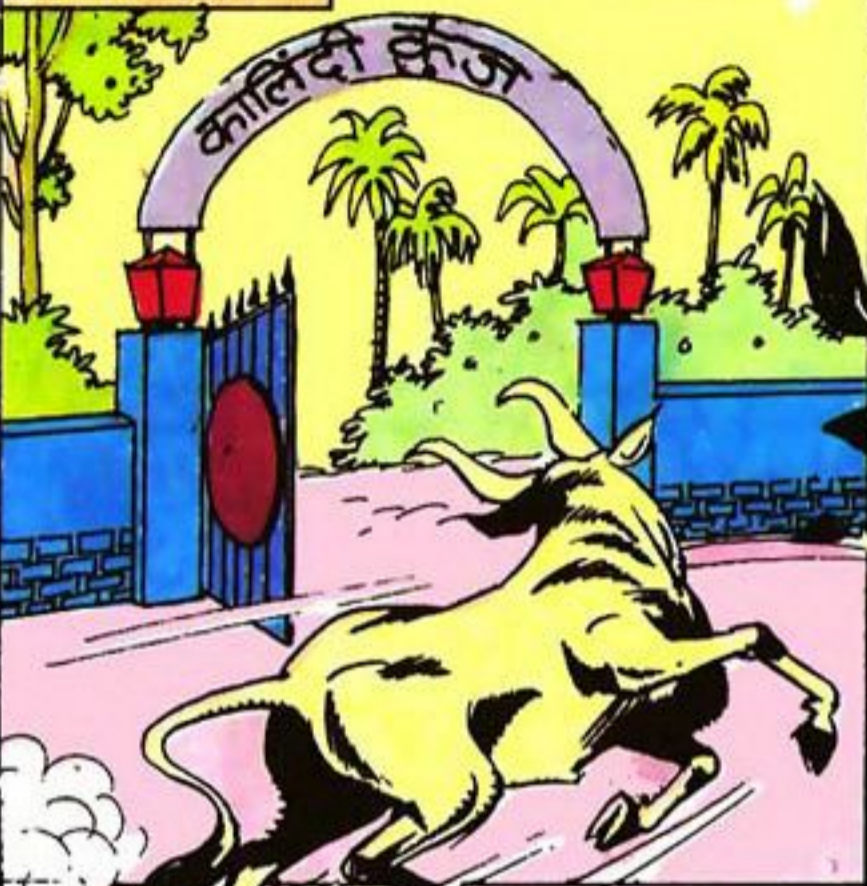
और उस आवाज का मतलब वह सांड भली-भांति समझ गया था।

धड़ाक

सांड दूसरे प्रेतों की तरफ बढ़ा —

और उन्हें खत्म करके ही रुका —

बाद में—

ध्रुव! ग्रेण्ड मास्टर इस खेल में शामिल नहीं है।

हां, वरना ये प्रेत तुम पर हमला कभी ना करते।

फिर वे दोनों पार्क से बाहर निकल गए।

अगले दिन पुलिस हैडक्वार्टर में—

ध्रुव! राजनगर से मार्टूंगा के राजनयिक मिस्टर साधू का अपहरण हो गया है।

वूडू और रूह दो अपहरणकर्ताओं ने उन्हें शहर के बाहर पुराने किले के खण्ड-हर में छुपा रखा है।

वूडू और रूह००० ! आप एक पुलिस जीप उन्हें लाने के लिए वहां भेज दें मैं खण्डहर में घुस कर मिस्टर साधू को अप-हरणकर्ताओं से छुड़वाऊंगा।

तुम अकेले अन्दर जाओगे।

तभी एक तेज धमाके की आवाज से पुलिस हैडक्वार्टर की इमारत थर्रा उठी।

यह क्या हुआ?

धड़ाम

आई.जी. साहब! ध्रुव को मेरे हवाले कर दीजिए वरना इस रिमोट कंट्रोल से मैं आसपास की सभी इमारतें उड़ा दूंगा, क्योंकि सभी इमारतों में मैंने बम फिट कर रखे हैं।

आई.जी. राजन मेहरा मुड़े—

ध्रुव!

आप बेफिक्र रहिए! मैं देखता हूं इसमें कितना दम है।

ध्रुव बिल्डिंग से बाहर निकला—
यह महामानव का डुप्लीकेट है इसलिए इसमें महामानव वाली मानसिक शक्ति नहीं होगी।
आओ ध्रुव स्वागत है मेरे नजदीक आओ।
ध्रुव आगे बढ़ा।
किन्तु अगला कदम धरती पर पड़ते ही एक तीव्र धमाका हुआ—
धड़ाम
धोखा!
और जब उसके पैर दोबारा जमीन पर टिके—
अब की बार तो बच गए दोस्त! खैर फिर आगे बढ़ो और कोई शरारत की तो ये सभी इमारतें धूल में मिला दूंगा!
बहुत समझदारी से काम लेना पड़ेगा बस सिर्फ एक बार।...
महामानव ने एक बार फिर बटन दबाया, लेकिन इस बार ध्रुव कुछ पहले ही उछल चुका था।
धड़ाम
...इसके पास पहुंच जाऊं।
एक ही जोरदार वार ने महामानव का सिर पीसकर रख दिया—
ढिशुम
और उसके साथ ही महामानव भी गायब हो गया—
ध्रुव! तुम ठीक हो ना!
हां पापा, बस अब आप पुराने किले के खण्डहर का इंतजाम करवाएं।
फिर ध्रुव बढ़ चला अपनी मोटर साइकिल की ओर।

पुराने किले के खंडहर में —
ध्रुव! मैं चाहता तो यहीं बैठे-बैठाए इस पुतले में यह सलाई घोंप कर तुम्हें खत्म कर देता, लेकिन तुम्हें सामने मरता देखने में मजा ही कुछ और आएगा।
कहते ही वूडू ने हाथ में थमी वह सलाई पुतले की बांह में घुसेड़ दी —
आह!
उफ! वह अब तक क्यों नहीं आया?
वूडू! तुम इसे मारोगे नहीं यह मेरे हाथों ही मरेगा।

वूडू ने दूसरी सलाई पुतले की टांग में घोंप दी —
ठीक है मित्र! पहले मैं इसे खूब तड़पाऊंगा। फिर तुम इस को यमलोक पहुंचा देना।
उफ! काश! मैं पहले ही इस मंत्र का तोड़ जादुई पानी पी आता!

फिर रूह ने ध्रुव को दबोच लिया अपनी हसरतें पूरी करने के लिए —
आजा बच्चे! अब रूह से तो टकराले
इसका इंतजाम तो मैं करके आया हूं।

रूह में अद्भुत शक्ति थी एक हाथ से चलते हुए टैंक को रोक सकता है वह। फिर यह खम्बा भला कैसे टिका रहता।
उफ! इस तरह तो यह पूरे खण्डहर को ध्वस्त कर देगा। अब तो कुछ करना ही पड़ेगा, चाहे वह आए या न आए।
ध्रुव ने जेब से एक छोटी सी गेंद निकाली और —
मुझे सांस रोक लेनी चाहिए।
खों खों खों। जहरीली गैस उफ खों खों।
वूडू व मिस्टर साधू जहरीली गैस की पहुंच से दूर थे।

जब धुआं छंटा—
यह तो गया काम से।
हां, लेकिन अब तू नहीं बचेगा बच्चे। ये मैं सलाई घोंप रहा हूं पुतले की गर्दन में
जैसे-जैसे सलाई का दबाव पुतले की गर्दन पर पड़ रहा था ध्रुव का दम घुटता जा रहा था—
गं ऽ ऽ यं
तभी खण्डहर हृदय विदारक चीख से गूंज उठा।
किन्तु वह चीख थी वूडू की जो अपना पेट थामे जमीन पर अब मृत पड़ा था—
किशोर!
उसी के साथ प्रकट हुआ किशोर। वूडू तंत्र का ज्ञाता—
थैंक्यू किशोर! पिछले वूडू अभियान में भी तुमने मेरी खूब सहायता की थी इसीलिए वूडू का नाम सुनते ही मैंने वूडू के पुतले के साथ यहां आने के लिए तुम्हें फोन पर बोल दिया था।
हां, लेकिन ट्रैफिक के कारण मुझे पहुंचने में कुछ देर हो गई!
किशोर के मुंह से आश्चर्य मिश्रित सिसकारी निकल गई जब—
ध्रुव, वे-वे दोनों गायब हो गए।
हां, क्योंकि वे बने ही गायब होने के लिए हैं।
फिर मिस्टर साधू को आजाद करके दोनों खण्डहर से बाहर निकल चले।
और मिस किलर के सामने खड़ा था— बुगाकू
शाबास! जिस तरह से तुम नागराज को यहां पकड़कर लाए हो, मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि इस बार हम अपने मकसद में जरूर कामयाब हो जाएंगे।
हां, मिस किलर! अब तो मुझे भी अपने सींग पैने करने पड़ेंगे।

बुगाकू! अब तुम्हें इसी खूबी से राजनगर से सुपर कमाण्डो ध्रुव को उठाके लाना है जो तबाका और बहरी मौत से जूझ रहा है।
ठीक है मैडम!
तबाका जिसकी भाषा ध्रुव नहीं जानता।
बहरी मौत यानि ये दो भयानक बबरे सिंह जो कोई आवाज सुन नहीं सकते।
दहाड़
गर्र्र
इस वक्त ये मौत के दूत घेरे खड़े थे ध्रुव को, सुपर कमाण्डो ध्रुव को—
ग्लोब सर्कस के स्ट्रांग मैन जुबिस्को द्वारा प्रशिक्षित बहरी मौत।
ध्रुव ने मोटर साइकिल फुर्ती से घुमाई—
जब मैं यहां पहुंचा इन्होंने निर्दोषों को मारना शुरू ही किया था।
दर्द से बिलबिला उठा जंगल का राजा।
ध्रुव ने मोटर साइकिल को उछाला—
अगर मैं समय पर ना पहुंचता तो ये कई जानें ले लेते, पर अब मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।
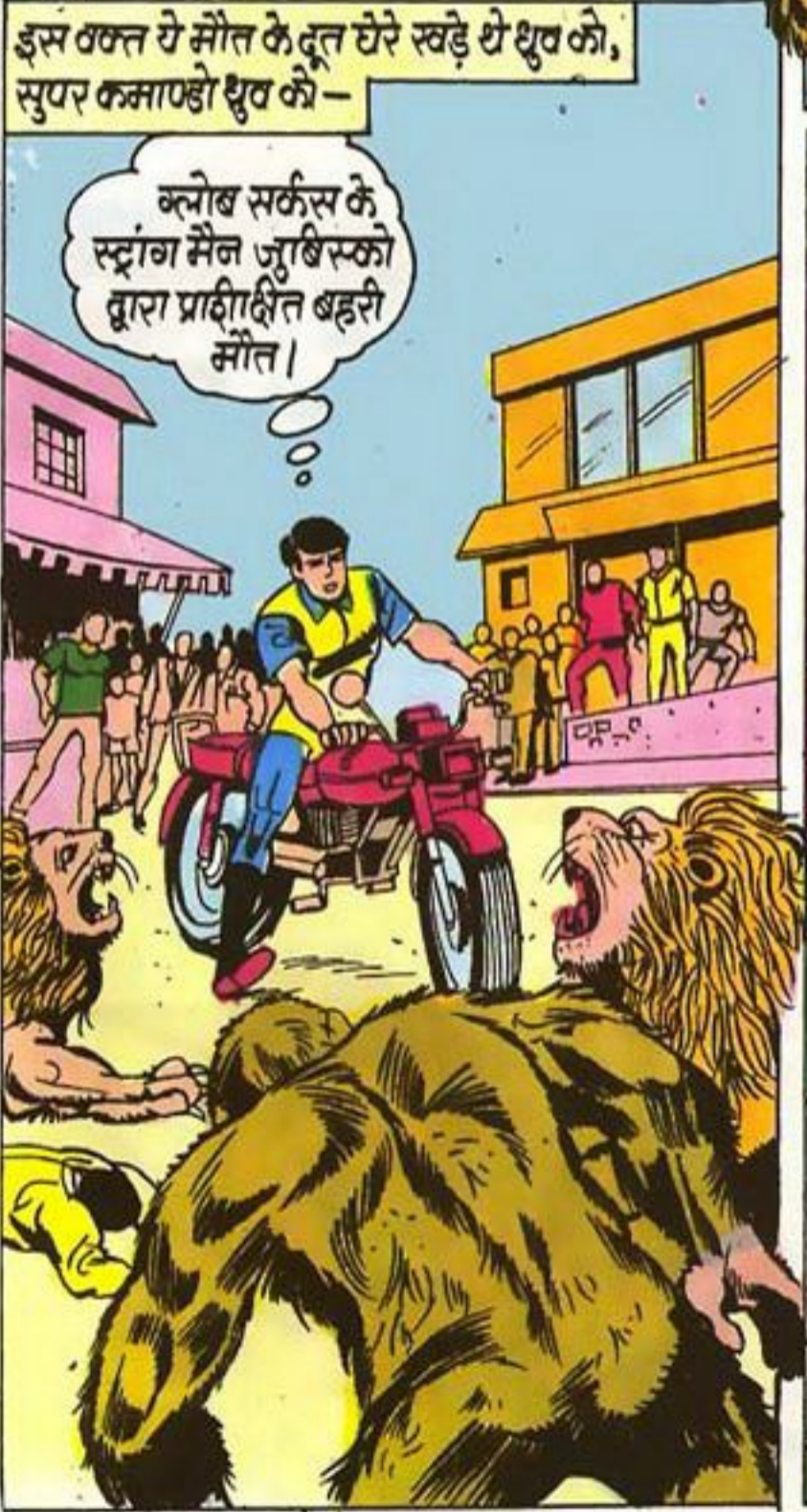
एक जबरदस्त टक्कर लगी तबाका के सीने पर —
आआऽऽगर्र

तभी ध्रुव की ठोकर से तिलमिलाए सिंह ने उसपर छलांग लगा दी —
पुलिस अभी तक नहीं आई।
हम ही कुछ करें!
उफ! बहुत जल्दी मौका मिल गया इन्हें।

और फिर खाली हाथ वह उस दरिंदे से टकरा गया।
इतने भयानक हिंसक जानवरों से तो सुपर कमाण्डो ध्रुव ही लड़ सकता है, हम नहीं।
एक-एक कर के लड़ूं तो शायद मैं इन पर हावी हो जाऊंगा।

लेकिन वे तीनों तो इकट्ठे ही ध्रुव पर टूट पड़े —
उफ! समय पर कुछ ना किया तो मेरी लाश तक पहचानने लायक ना रहेगी।
घुर्रर्र
दहाड़

ध्रुव को मौत के मुंह के करीब देख कर ध्रुव को चाहने वाले राजनगर के लोग कांप उठे।
उफ!
मुझे छोड़ दो मां! ध्रुव को मेरी जरूरत है।
ध्रुव, मैं आ रहा हूं।
सब के दिल झंझोड़कर रख दिए दो बालकों ने।
यह हमारे लिए हमेशा मौत से खेला और आज जब इसे जरूरत है हमारी तो हम खड़े देख रहे हैं। लानत है हम पर।

भीड़ शोर मचाती हुई ध्रुव को बचाने भागी–
ध्रुव!
ध्रुव!
ध्रुव!
ध्रुव का उत्साह बढ़ा। उसने अपनी शक्ति संचित की और–
सबसे पहले उसने उछलकर एक शेर की आंखों में उंगलियां घोंप दीं।
बहरा तो था ही अंधा भी हो गया।
बाकी कसर भीड़ ने पूरी कर दी।
मार डालो। तोड़ डालो। शहर में आकर आतंक फैलाते हैं।
दूसरा शेर ध्रुव पर जब लपका तब तक उसके हाथ में एक लम्बा छुरा नृत्य कर रहा था।
एक सच्चा निशाना और...
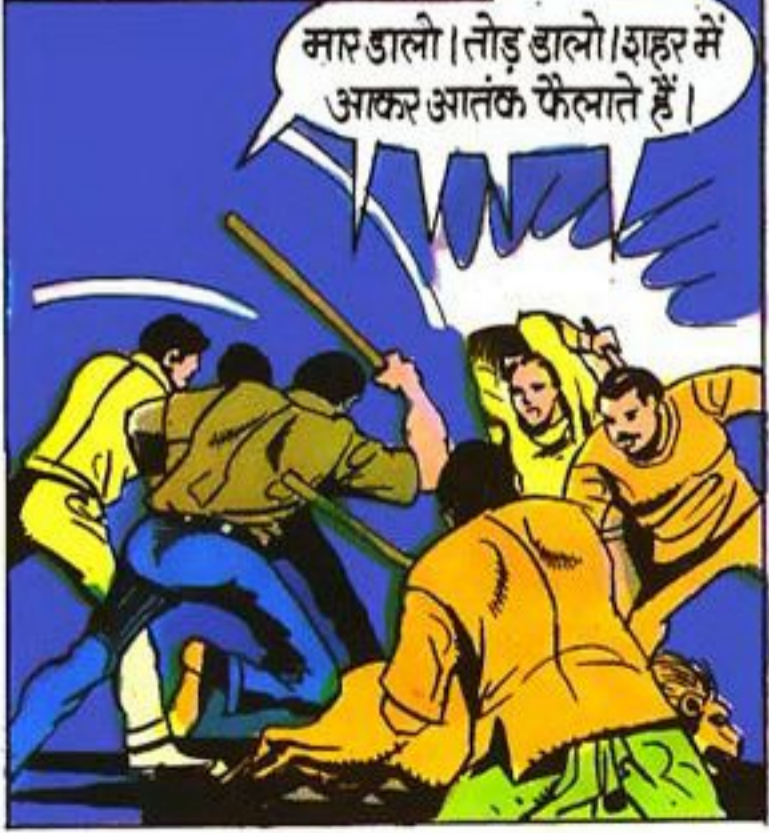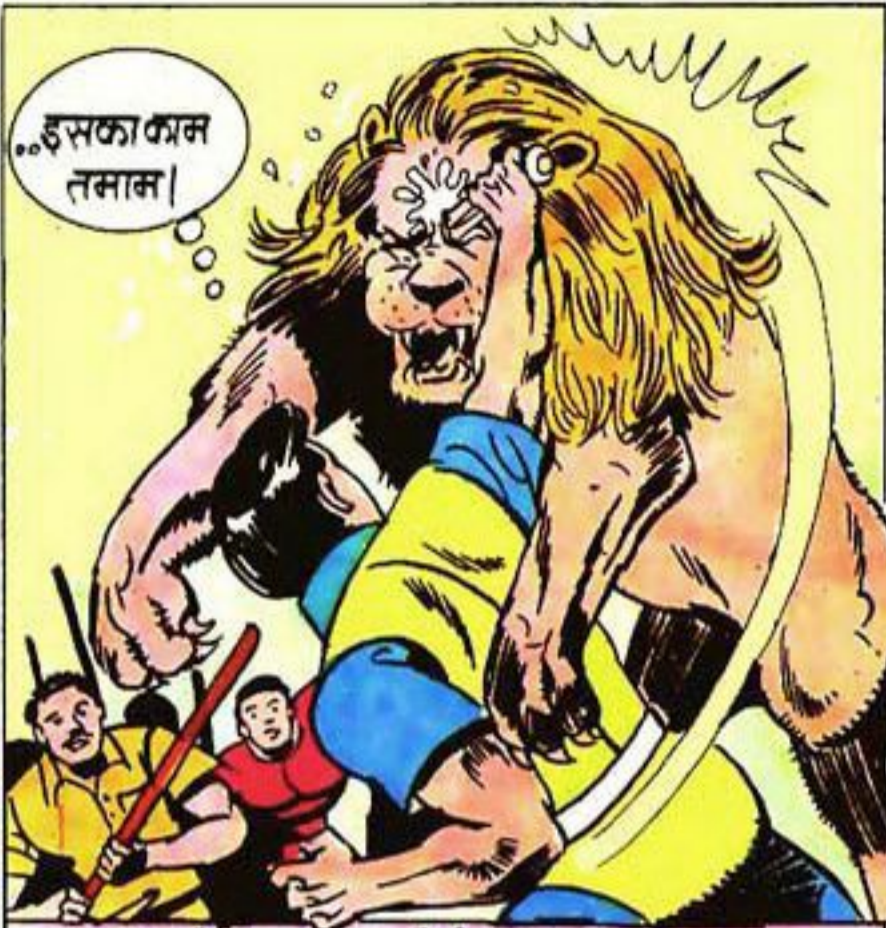
..इसका काम तमाम!
ध्रुव के निशाने से आज तक कोई न बच सका था।
तबाका को संभालना भीड़ को भारी पड़ रहा था।
इससे पीछा छुड़ाने का एक तरीका है मेरे पास।
ध्रुव ने ड्राइविंग सीट संभाली—
सब इसको छोड़कर दूर-दूर हट जाएं।
TATA
ट्रक तीव्र गति से भागा—
बस एक काम और...
बस, अब हुआ इसका काम तमाम!
TATA
गर्रर्रऽऽ
तबाका ने आखिरी हिचकी ली।

अगले ही पल भीड़ के देखते ही देखते तीनों के मृत शरीर गायब हो गए।
अरे गायब!
अब क्या विपदा आएगी मुझ पर?
तभी प्रकट हुआ वहां बुगाकू।
चलो दोस्त! तुम्हारे चलने का समय हो गया है।
हाएं! यह क्या बला है?
बुगाकू ने शक्ति खड्ग ध्रुव के मस्तिष्क से छुआ दिया।
अब तुम बेहोश हो जाओ।
हांए!
इसके साथ ही ध्रुव की चेतना लुप्त होती चली गई।
अगले ही पल ध्रुव के बेहोश शरीर के साथ वह गायब हो गया —
POLICE
राजनगरवासी सिर्फ आश्चर्य के और कुछ ना कर पाए।
खिल उठे मिस किलर और सम्राट थोडांगा के चेहरे।
वाह! हम कामयाब हो गए सम्राट थोडांगा!
हां मिस किलर! अब काकुला का आयोजन किया जाएगा जिसमें बुगाकू इन दोनों को शक्ति खड्ग से मार डालेगा।
नागराज! तुम यहां कैसे?
ध्रुव तुम यहां कैसे?
नागराज और ध्रुव दोनों ही हैरान थे।

✱ सम्राट थोडांगा के बारे में जानने के लिए पढ़ें 'नागराज और काबुकी का खजाना' व 'नागराज और थोडांग

उन दोनों की गाथा सुनकर नागराज व ध्रुव का क्रोध सातवां आसमान पार कर गया।

अब के काकूला में उससे विपरीत होगा कंटाली!

और मकालू कबीले वासियों की हत्या का बदला भी जरूर लिया जाएगा!

काकूला-एक बहुत बड़ा आयोजन जिसमें सभी जंगली कबीलों के सरदार आमंत्रित होते हैं। भयानक व रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को।

उपस्थित सरदारों को सम्राट थोडांगा का अभिवादन। हर साल की तरह काकूला उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

इस बार एक तरफ आपके समक्ष मौजूद है नागराज, सुपर कमाण्डो ध्रुव, ठंटाली और मंटाली।
और दूसरी तरफ है जागोता-

फुकारू!
कींगो!
और बुगाकू!
सम्राट योडांगा के इशारे पर बुगाकू ने ध्रुव, कंटाली व मंटाली के बंधन काट डाले।
अब होगी खूनी लड़ाई।
इसने नागराज को आजाद क्यों नहीं किया?
ये चाहते क्या हैं?
अगले ही पल जागोता कंटाली से, फुकारू मंटाली से व कांगो ध्रुव से उलझ पड़े—
ताकत और दिमाग दोनों के प्रयोग से ही इस दानव को खत्म कर पाऊंगा मैं।

ध्रुव ने मुष्टि प्रहार किया—

किन्तु कांगो को तो जैसे किसी ने सिर्फ छुआ भर हो। वह ध्रुव पर हावी होता जा रहा था।

यह देख नागराज अपनी बेबसी पर चिंघाड़ उठा—

मुझे आजाद कर दे थोडांगा! फिर बहादुरी दिखा अपनी।

किन्तु जवाब में गूंजा थोडांगा का अट्टहास।

हा हा हा आएगा, तेरा भी मौका आएगा सब्र कर।

नागोता ने कंटाली को लहूलुहान कर दिया था।

इस दरिंदगी का आनंद ले रहे जंगली सरदारों की हर्षध्वनि ने आसमान सिर पर उठा रखा था —

और नागराज बहुत तड़प रहा था यह दरिंदगी देखकर–
एक-एक को देख लूंगा मैं एक-एक को।
उसके मुंह से भयंकर विष फुफकार छूट रही थी।
नागसेना ने असंभव को संभव कर दिखाया।
कांगो अब तू नहीं बचेगा।
ध्रुव, मैं आ गया हूं।
नागराज का शरीर बिजली बन गया था।
कांगो का खुला हुआ मुंह विष फुफकार से भर दिया नागराज ने।
और नागराज का विष पचाना कांगो के लिए असंभव था।
अगले पल वह फुकारू की गदा के सामने था।
बराबरी की टक्कर ही बहादुरों को शोभा देती है।

फुकारू की गदा अब नागराज के हाथों में थी —
हथियारों से नहीं हम निहत्थे ही लड़ेंगे!
फुकारू ने भुजाओं की ताकत दिखाई —
ठीक कहते हो, बहादुर का बहादुर से ही मुकाबला होना चाहिए!
और उछाल फेंका नागराज को —
कड़ कड़ कड़ाड़
किन्तु वह नागराज क्या जो दुश्मन को करारा जवाब ना दे —
आह!
फुकारू! तेरी फूंक ना निकाल दी तो मेरा नाम नागराज नहीं!
उसके बाद ध्रुव और मंटाली ने फुकारू को घूंसों पर धर लिया —
तुम इसे संभालो, मैं जागोता को देखता हूं।
कंटाली जिसकी आंखों के सामने लहरा रही थी मौत —
गुर्र्र

किन्तु इससे पहले कि फरसा नीचे आकर अपनी प्यास बुझाता —

नागरस्सी!

और अगले ही पल फरसा नागराज के कदमों में पड़ा था —
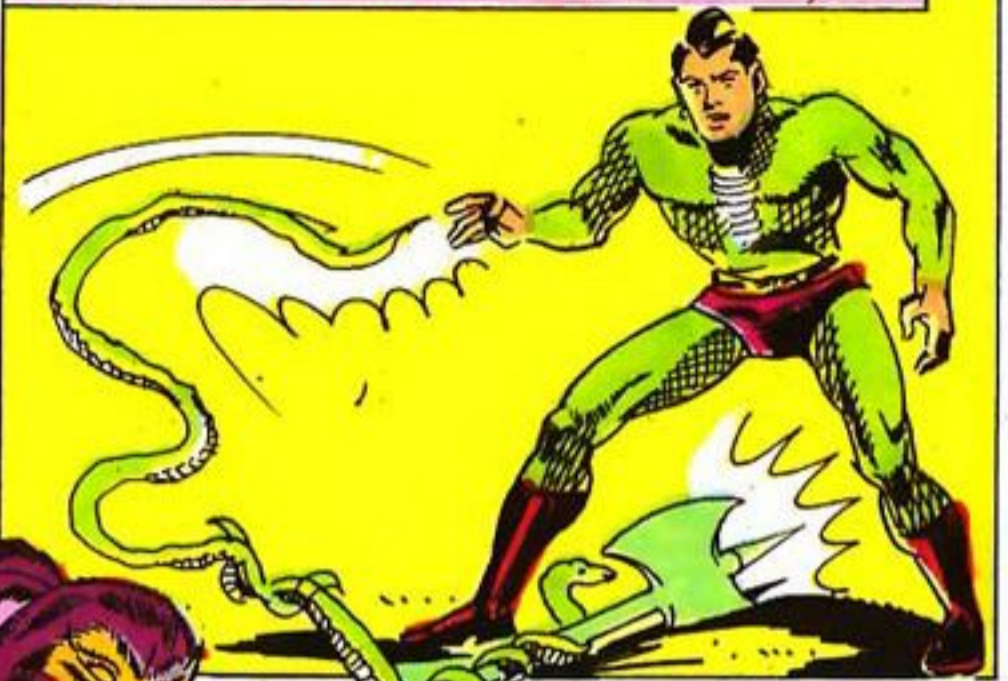
दूसरे क्षण जागोता का शरीर नागरस्सी की कैद में था —

तुम दरिंदों का खात्मा करके रहेगा नागराज।

अब वह हिल भी नहीं सकता था।

नागराज उसके करीब पहुंचा और-

ले खून के प्यासे इस फरसे की प्यास बुझा।

अपने बहादुर सिपाहियों की भयानक मौत ने थोडांगा व मिस किलर को हिला दिया—

जागोता के मस्तक के लहू से लाल होता चला गया वह फरसा—

बुगाकू! देखते क्या हो! कत्ल कर दो इन चारों को शक्ति खड्ग से।

बड़े भयानक अंदाज में बुगाकू ने शक्तिखड्ग घुमाया —

शक्तिखड्ग फिर नागराज की ओर लपका —

उफ! अगर यह खड्ग फिर मेरे शरीर में पेवस्त हो गई तो यह फिर मुझ पर हावी हो जाएगा।

नागराज ने विष फुफकार छोड़ी —

नागराज! बुगाकू और शक्तिखड्ग के आगे तुम टिक नहीं पाओगे।

ओह, इसके मास्क के कारण इस पर विष फुफकार का कोई असर नहीं हो रहा।

नागराज की सर्प सेना का भी उसने बड़ी चपलता से सफाया कर दिया —

ऐसे ही अब तुझे भी काट डालूंगा नागराज!

बुगाकू की सफलता पर अति प्रसन्न थे थोडांगा और मिस किलर —

आज नागराज का खात्मा निश्चित है मिस किलर!

बुगाकू शक्तिखड्ग कितनी खूबसूरती से चला रहा है।

तीव्र गति से अपनी तरफ बढ़ती खड्ग को नागराज ने दोनों हाथों से थाम लिया।

ले संभाल ले वार।

उफ!

किन्तु शक्तिखड्ग से प्रस्फुटित शक्ति किरणों ने हाईवोल्टेज करंट की तरह नागराज को जकड़ लिया।

हा हा हा नागराज अब तू मरा समझ।

उफ! यह क्या मेरे हाथ तो इससे चिपककर रह गए।

नागराज की सारी शक्ति सोख रही थी शक्ति खड्ग —

जिससे पूरा अपराध जगत कांपता था, वह खुद कैसे कांप रहा है आज।

मेरी शक्ति क्षीण पड़ती जा रही है।

ओह! मौत कितने करीब है कुछ... ओह...नागों का आह्वान करने से शायद कुछ हो सके।
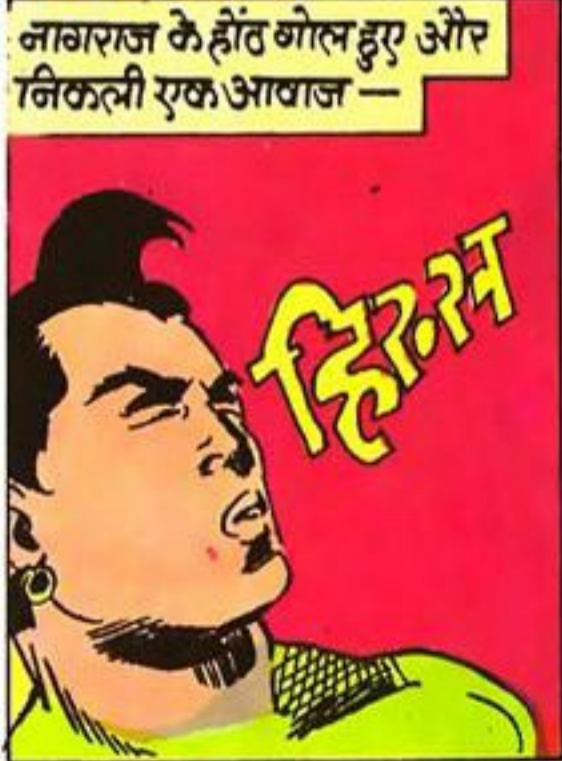
नागराज के होंठ गोल हुए और निकली एक आवाज —

हिस्स

पराजित होते नागराज को देख बुगाकू का अट्टहास जंगल में गूंजने लगा।

हा हा हा हा

मिस किलर हम नागराज की लाश की ममी बनाकर अपने पास रखेंगे।

नहीं, मैं इसके शव को जापान ले जाऊंगी। मेरे वैज्ञानिक इस पर रिसर्च करेंगे।

कुछ नहीं हुआ!

हुआ — एकाएक धरती फटी और —
तड़ तड़ तड़
दो विशाल नाग जमीन के नीचे से निकले और बुगाकू के पैरों से लिपट गए —
बुगाकू के पैर उखड़ने लगे —
उफ! यह क्या मेरे पैरों को ये नाग खींच रहे हैं। मैं रुक नहीं पा रहा।
और दुविधा में पड़ गया बुगाकू —
अगर मैं ट्रांसमिट हो जाऊं तो बच सकूंगा, किंतु तब मुझे शक्ति-खड्ग से हाथ धोना पड़ेगा, क्योंकि यह नागराज से चिपका चुका है।
ओह, मैं कामयाब हो गया। दो विशाल नागों ने मेरी पुकार सुन ली।
और शक्ति खड्ग से हाथ धोने का मतलब था बुगाकू की निश्चित हार।
बुगाकू ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी —
नहीं! मैं इन नागों को नागराज के मरने से पहले कामयाब नहीं होने दूंगा।
किन्तु —
बस, यह आखिरी मौका और आखिरी वार होगा।
धड़ाक
नागराज की ठोकर टकराई बुगाकू की टांगों से।

फिर बुगाकू खुद को ना रोक सका —

तड़ तड़ तड़

शक्ति खड्ग एक झटके से नागराज से अलग हो गई।

नागराज की मौत का सामान तैयार करने वाला नागराज द्वारा मौत के मुंह में पहुंचा दिया गया।

और देखते ही देखते बुगाकू का आखिरी सिरा भी धरती में समा गया—

बुगाकू का अंत देख थोडांगा फुर्ती से उछला —

शक्तिखड्ग अपने कब्जे में कर नागराज को खत्म कर दूंगा।

अगले ही पल अपूर्व फुर्ती दिखाई नागराज ने —
नहीं थोडांगा! अब यह बाज़ी मैं हाथ से नहीं निकलने दूंगा।
और अब वह प्रलयंकारी शक्तिखड्ग तैयार था थोडांगा का खून पीने के लिए —
उफ! सब गड़बड़ हो गया।
थोडांगा आज तेरे और मिस किलर के आतंक से धरती को आज़ाद करवा दूंगा मैं।
मौत थोडांगा के सामने सीना ताने खड़ी थी।
किन्तु वह थोडांगा क्या जो मौत से खेलने की इच्छा ना जाहिर करे —
नागराज, कर वार मुझ पर, देखता हूं कि शक्तिखड्ग में मेरी गैंडे जैसी खाल बींधने की शक्ति है या नहीं।
नागराज ने पूरी शक्ति से वार किया -
किन्तु नागराज का वह भयंकर वार बिल्कुल खाली गया क्योंकि —
मिस किलर ने अपने साथ-साथ थोड़ांगा को भी ट्रांसमीट कर लिया।
भाग गये दोनों मौत सामने देखकर और भाग गए उसके सभी हिमायती भी।

* सतरंगा के बारे में जानने के लिए पढ़ें 'काबुकी का खजाना' व 'नागराज और थोडांगा'।